

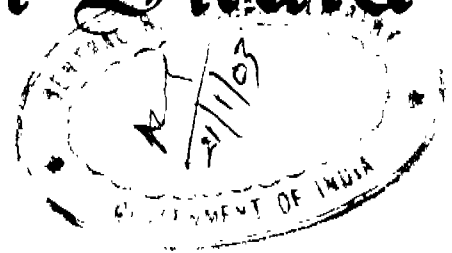


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 145 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 5, 2002/ज्येष्ठ 15, 1924

No. 145]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 5, 2002/JYAISTHA 15, 1924

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 2002

सं० 16/2002—2007

फा० सं. 01/94/180/प्रक्रिया पुस्तक/ए एम 03/पालिसी-4.—निर्यात और आयात नीति, 2002—2007 के पैरा 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार, एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. पैरा 6.2 (अ) निम्नानुसार ठीक किया जाता है :

“( ब्र ) यूनिट डी टी ए में निर्यात और डी टी ए में बिक्री या ई ओ यू/ ई पी जैड/ई एच टी पी/एस टी पी/एस ई जैड यूनिटों को हस्तांतरित और अपने स्टॉक के शेष माल के माध्यम से निःशुल्क आयातित/प्राप्त माल की सम्पूर्ण मात्रा का हिसाब लगा सकेगी। तथापि, यूनिटों को अन्य ई ओ यू/ई एच टी पी/एस टी पी/एस ई जैड यूनिटों को स्थानान्तरित, स्वदेशी निर्यातित माल की प्रत्येक श्रेणी हेतु प्रत्येक आयातित खेप का सह-संबंध रखना डी टी ए में बिक्री और बकाया स्टॉक का हिसाब नहीं रखना होगा ।”

2. पैरा 6.5 के टिप्पणी (1) निम्नानुसार ठीक की जाती है:-

(1) यदि कोई वस्तु अन्य ई ओ यू/ई पी जैड/ई एच टी पी/एस टी पी यूनिट या भारत में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों से खरीदी जाती है तो ऐसी वस्तु का मूल्य ख में शामिल किया जाएगा ।

3. पैरा 6.8 (ग) निम्नानुसार ठीक की जाता है:-

“डी टी ए बिक्री केवल यूनिट में विनिर्मित या उससे निर्यातित वस्तुओं हेतु अनुमत होगी। उसी प्रकार की वस्तुओं की प्रकृति के बारे में संदेह की स्थिति में निर्णय हेतु मामले को बी ओ ए को भेजा जाएगा।”

4. पैरा 6.8 (ड) और 6.8(च) में शब्द और अभिव्यक्ति “परिशिष्ट-14ड” को ठीक करके “परिशिष्ट-14 ड” पढ़ा जाएगा।

5. एक नया पैराग्राफ 6.9 (घ) निम्नानुसार जोड़ा जाएगा :-

“आई टी ए- आई घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी हेतु मर्च का चार अंक स्तर पर परिवर्तन किया जाएगा। केवल मूल्य संवर्धित उत्पाद, जो विनिर्माण की प्रक्रिया से गुजरे हैं घरेलू टैरिफ क्षेत्र में निकासी हेतु अनुमत होंगे।”

6. पैरा 6.20(घ) निम्नानुसार ठीक किया जाता है :-

“यूनिटों के पूंजीगत माल, इलैक्ट्रॉनिक्स समेत, हेतु मूल्य ह्रास मानदण्ड राजस्व विभाग द्वारा यथाअधिसूचित 90 प्रतिशत की समग्र सीमा के अधीन होंगे।”

(1) सभी प्रकार के इलैक्ट्रॉनिक यूनिटों के कम्प्यूटर अनुषंगी सामान हेतु बढ़ाए गए मूल्य ह्रास इस प्रकार हैं :-

पहले वर्ष में प्रत्येक तिमाही के लिए 10%

दूसरे वर्ष में प्रत्येक तिमाही के लिए 8 %

तीसरे वर्ष में प्रत्येक तिमाही के लिए 7 %

(2) पूंजीगत माल हेतु, उपरोक्त के अलावा, मूल्य ह्रास दर इस प्रकार है :

पहले वर्ष में प्रत्येक तिमाही के लिए 4 %

दूसरे वर्ष में प्रत्येक तिमाही के लिए 3 %

चौथे और उसके बाद के वर्ष में प्रत्येक तिमाही के लिए 2.5 %

7. पैराग्राफ 6.22 (क) निम्नानुसार ठीक किया जा सकता है :

“(क) निवल विदेशी मुद्रा प्रतिशतता और निर्यात निष्पादन की प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के परिशिष्ट 14 न में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार नीति के पैरा 6.22 के अनुसार मॉनीटरिंग की जाएगी।”

8. पैराग्राफ 6.27 ख) (5) के उप पैरा की संख्या बदलकर (क), (ख), (ग), (घ), (ड.) और (च) की जाती है।

9. पैराग्राफ 6.29 को निम्नानुसार ठीक किया जा सकता है :-

“ई ओ यू/ई पी जैड यूनिटों के लिए एक फास्ट ट्रेक प्रक्रिया अलग से अधिसूचित की जाएगी । जिसमें संयंत्र और मशीनरी में आयातित स्वदेशी रुप से वास्तविक निवेश 5 करोड़ रुपये और उससे अधिक होगा ।”

10. क) “निर्यात संसाधन जौन/एस ई जैड के अन्तर्गत यूनिट स्थापित करने के लिए आवेदन” से संबंधित परिशिष्ट-14क की टिप्पणी के क्रमांक 1 को निम्नानुसार ठीक किया जाता है ।

“1. कृपया एग्जिम नीति का पैरा 6.7 और 7.7 तथा इस पुस्तक का पैरा 6.7 और 7.7 देखें

ख) ई ओ यू/ई पी जैड/एस ई जैड स्कीम में परिवर्तन मांगने वाली मौजूदा डी टी ए यूनिटों द्वारा भरे जाने वाला परिपत्र” से संबंधित परिशिष्ट 14 क के अनुलग्नक में धारा (ज)को हटाया जाता है और मौजूदा प्रविष्टि (झ) को (ज) के तौर पर बदला जाता है ।

11. क) निर्यात संवर्धन यूनिटों और ई पी जैड/एस ई जैड यूनिटों हेतु विधिक करार के परिपत्र से संबंधित परिशिष्ट 14घ की शुरुआत में टिप्पणी को निम्नानुसार ठीक किया जाता है :

“एग्जिम नीति के पैरा 6.6 और 7.6 तथा प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 6.6 और 7.6 को देखें ।

ख) परिशिष्ट 14घ के क्रमांक 7 पर “केन्द्रीय उत्पाद और नमक अधिनियम 1944” को शब्द और अभिव्यक्ति “केन्द्रीय उत्पाद अधिनियम 1944” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है ।

12. “ई ओ यू/ई पी जैड/एस ई जैड/एस टी पी/ई एच टी पी यूनिटों के निष्पादन मॉनीटरिंग हेतु मार्गनिर्देश” से संबंधित परिशिष्ट 14ड. को इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक के अनुसार ठीक किया जाता है ।

13. “ई ओ यू/ई पी जैड/एस ई जैड/एस टी पी/ई एच टी पी यूनिटों द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र टी डी ए में माल की बिक्री के लिए दिशानिर्देश से संबंधित परिशिष्ट 14च को इस सार्वजनिक सूचना के अनुलग्नक के अनुसार ठीक किया जाता है ।

14. क) “घरेलू टैरिफ क्षेत्र से निर्यात संसाधन क्षेत्र/इलैक्ट्रानिक हार्डवेयर टैक्नालॉजी पार्क और साफ्टवेयर टैक्नालॉजी पार्क और विशेष आर्थिक क्षेत्रों की यूनिटों और निर्यातोन्मुख यूनिटों को की गई आपूर्तियों पर केन्द्रीय बिक्री कर की प्रविष्टि को हटाने की जाने वाली प्रक्रिया” से परिशिष्ट 14छ के शुरु में टिप्पणी निम्नानुसार ठीक की जा सकती है ।

“कृपया नीति का पैरा 6.12 और 7.9 और पुस्तक का पैराग्राफ 6.12 और 7.9 देखें”

ख) परिशिष्ट-14 छ के अनुलग्नक में वचनबद्ध और घोषणा की धारा (ग) हटाई जाती है और मौजूदा धारा (घ) को (ग) के तौर पर पढ़ा जाएगा।

15. “रुग्ण ई ओ यू/ई पी जैड यूनिटों को पुनर्जीवित/डिबॉडिंग करने के लिए मार्ग निर्देश” से संबंधित परिशिष्ट 14ट के शुरु में टिप्पणी निम्नानुसार ठीक की जाती है :-

( कृपया नीति का पैरा 6.28 और प्रक्रिया पुस्तक का पैराग्राफ 6.28 देखें )

16. क) “निर्यात अभिमुख यूनिटों और निर्यात संसाधन क्षेत्रों में निर्यात यूनिटों के अन्तर्गत निर्यात उत्पाद के लिए कतरन/रद्दी माल संबंधी मानदण्ड” से संबंधित परिशिष्ट 14ठ के शुरु में टिप्पणी निम्नानुसार ठीक की जाती है :-

“कृपया नीति का पैरा 6.8 और इस पुस्तक का पैरा 6.8 देखें”

ख) परिशिष्ट 14ठ का क्रमांक 107 निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :

क्रम सं०	विनिर्मित माल	प्रयुक्त माल	आयातित माल के स्कैप या अवशिष्ट की प्रतिशतता
107	सिल्क फैब्रिक्स	मलवरी ज्यूपिओन यार्न	35 प्रतिशत

17. “लाइसेंसिंग प्राधिकारियों और उनके क्षेत्राधिकार” से संबंधित परिशिष्ट-24 के क्रमांक-36 पर विकास आयुक्त कोचीन का ई-मेल आई डी निम्नानुसार ठीक किया जाता है:

“डी सी सी एस ई जैड काम”

18. “जी एस पी प्रमाणन जारी करने वाली एजेंसियों की सूची” से संबंधित परिशिष्ट-35 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाती हैं :-

क्रमांक	जी एस पी प्रमाणन जारी करने वाली प्राधिकृत एजेंसियाँ	जिसके लिए प्राधिकृत हैं
8.	मद्रास निर्यात संसाधन क्षेत्र, प्रशासनिक कार्यालय भवन, राष्ट्रीय राजमार्ग -45, तम्बारम, चैन्नई- 600045	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित मद्रास ई पी जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद
9.	कांडला विशेष आर्थिक क्षेत्र, गांधीधाम, कच्छ, गुजरात- 370230	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित कांडला और सूरत की एस ई जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद

10.	एस ई ई पी जैड विशेष आर्थिक क्षेत्र, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई - 400096	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित एस ई जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद
11.	कोचीन विशेष आर्थिक क्षेत्र, काकानाड़, कोचीन-682037	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित कोचीन एस ई जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद
12.	नोएडा निर्यात संसाधन जोन, नोएडा दादरी रोड, नोएडा-201305	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित नोएडा ई पी जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद
*14.	विशाखापट्टनम निर्यात संसाधन क्षेत्र, प्रशासनिक बिल्डिंग, दुवधा विशाखापट्टनम- 530046	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित विशाखापट्टनम ई पी जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद
15.	फाल्टा निर्यात संसाधन क्षेत्र, दूसरी एम एस क्यू बिल्डिंग, चौथा तल, निजाम पैलेस, कोलकाता-700020	विकास आयुक्त के क्षेत्राधिकार में स्थापित फाल्टा ई पी जैड और ई ओ यू की यूनिटों द्वारा विनिर्मित सभी उत्पाद

\* विशाखापट्टनम और फाल्टा की ई पी जैड को इस समय क्रमांक-14 पर इकट्ठा किया गया है ।

19. “साप्ता और बैकांक करार हेतु उद्गम के प्रमाणपत्र जारी करने वाली एजेंसियों की सूची” से संबंधित परिशिष्ट-35 क में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाती हैं :-

29. एस ई ई पी जैड विशेष आर्थिक क्षेत्र अंधेरी(पूर्व), मुम्बई-400096

30. कांडला विशेष आर्थिक क्षेत्र, गांधीधाम, कच्छ, गुजरात-370230

32. कोचीन विशेष आर्थिक क्षेत्र, काकानाड़, कोचीन - 682037

इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

एन० एल० लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार और पदेन सचिव

**सार्वजनिक सूचना सं० ..... दिनांक.....**  
**का अनुलग्नक**

**परिशिष्ट 14 ( ड.)**

**ई ओ यू/इ पी जेड/एस ई जेड/एस टी पी/ई एच टी पी यूनिटों के निष्पादन की निगरानी हेतु मार्ग निर्देश**

1. गत वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के अंत से पूर्व विकास आयुक्त द्वारा कार्यरत यूनिट एवं इसकी अनुमोदन की शर्तों के अनुपालन के बारे में वार्षिक समीक्षा की जाएगी।
  2. प्रत्येक वर्ष के 31 जुलाई तक नीचे दिए तीन प्रपत्रों में प्रत्येक विकास आयुक्त द्वारा वाणिज्य मंत्रालय को वार्षिक निष्पादन समीक्षा का सारांश भेजा जाएगा।
- प्रपत्र -1      गत वर्ष की तुलना में निष्पादन और मानिट्रिंग का तुलनात्मक विवरण।
- प्रपत्र -2      ई ओ यू/इ पी जेड/एस.ई.जेड यूनिटों के वार्षिक निष्पादन की सेक्‍टर्स के उप योग सहित सेक्‍टर वार का सारांश।
- प्रपत्र-3      समीक्षा का परिणाम दर्शाते हुए एन एफ ई एवं एन एफ ई पी पर यूनिट वार विवरण।

**भाग ( क)**

**3. वार्षिक मानिट्रिंग का मापदण्ड :**

मामूली कमी को माफ करने जिसमें यूनिट को निगरानी में रखने अथवा दांडिक कार्रवाई करने के लिए निम्नलिखित मानदण्ड अपनाये जाएंगे:

(1) निगरानी: प्रथम अथवा द्वितीय वर्ष के समाप्त होने पर यदि एन एफ ई/एन एफ ई पी और या निर्यात कारोबार (निर्यात आयात नीति के मानदण्डों के अनुसार) की प्राप्ति में गिरावट है।

(2) दांडिक कार्रवाई: अगर तीसरे वर्ष के अन्त तथा बाद के वर्षों में एक्जिम पालिसी के अनुसार एन एफ ई/एन एफ ई पी/ई.पी नहीं प्राप्त की जाती कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उत्तर पर विचार करने के पश्चात अगर यह पाया गया कि यूनिट ने नीति के अनुसार एन एफ ई पी/ईपी नहीं प्राप्त किया है विकास आयुक्त विदेश व्यापार ( विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1992 के तहत दांडिक कार्रवाई प्रारंभ करेगा।

(3) जैसा कि उपर कहा गया है कि एन एफ ई/एन.एफईपी/ई.पी में कमी के कारण किसी यूनिट के विरुद्ध किसी विशेष वर्ष में दांडिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है तथा वह अगले वर्षों में फिर चूक करता है तो उसके विरुद्ध नया दांडिक कार्रवाई की जाएगी, तथापि कार्रवाई के दौरान यह

जानकारी में आता है कि यूनिट ने अपने स्थिति सुधार ली है तथा अब वह एन.एफईपी/ईपी को पूर्ण कर रही है तो संबंधित विकास आयुक्त कोई निर्णय लेते समय इस बात को ध्यान में रखेगा ।

#### 4. मॉनिटरिंग का विवरण:-

- i) डिबान्डिंग के सभी मामलों में जहाँ यूनिट ने इनपुटों को आयात कर लिया हो परन्तु एलओपी की शर्तों को पूरा करने में असफल रहता है तो ऐसे मामलों में कारण बताओं नोटिस जारी करने के पश्चात दांडिक कार्रवाई के लिए कदम उठाये जाएंगे, जो यूनिट एक साल से कार्य नहीं कर रही है उनके एलओपी/एल ओए को रद्द करने के लिए कदम उठाये जायेंगे ।
- ii) एग्जिम पालिसी में समय-समय पर निर्देशित विभिन्न सैक्टरों में न्यूनतम निर्यात दायित्व पोत पर्यन्त न्यूनतम निःशुल्क मूल्य के रूप में उल्लिखित आयात नीति के अनुसार 5 वर्ष के लिए नार्म के अनुसार होगा ।
- iii) एन एफ ई/एन एफ ई पी की गणना:- आयात-निर्यात नीति के पैरा 6.5, 6.22 व 7.4 और प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) के पैरा 6.5, 6.22 व 7.4 के अनुसार की जानी है ।, एकरूपता के लिए एनएफई/एनएफईपी/ईपी के गणना के मार्ग दर्शन जो कि आयात निर्यात नीति में दी गई है का अनुसरण किया जाएगा ।

5. निगरानी की अवधि:-ऐसी यूनिटें जिन्होंने अपना व्यवसायिक उत्पादन प्रारंभ करने के पश्चात एक वर्ष पूरा नहीं किया है कि निगरानी नहीं की जाएगी, जिन्हें यूनिटों को व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ 4 वर्ष से कम हुआ है, इनकी निगरानी वर्ष पूरे किये गये हिसाब से किया जाएगा, पुरानी यूनिटों की जिन्होंने 5 वर्ष से अधिक पूरे कर लिए हैं कि निगरानी पाँच वर्ष के ब्लॉकों में दूसरे वर्ष के ब्लॉकों के अनुसार की जाएगी ।

6. अन्य शर्तें - विकास आयुक्त रिजर्व बैंक आफ इंडिया के संबंधित महाप्रबंधक के साथ आर.बी.आई दिनांक 21.02.2000 के परिपत्र संख्या 3109/05.62.05/99-2000, ईओयू/ईपीजैड/एस ईजैड के विदेश विनियमन प्राप्ति की निगरानी करेगा ।

भाग ख - स्कीम स्पेसिफिक शर्तें:-

#### 7. ईओपी/ईपीजैड यूनिटों की सामूहिक निगरानी

क. ईओयू/ईपीजैड के कार्य निष्पादन की पुनरीक्षा की ईपीजैडके की विकास आयुक्त व संबंधित सीमाशुल्की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारियों द्वारा छः माही आधार पर जैसे कि प्रत्येक वर्ष के अप्रैल-सितम्बर की अगली तिमाही में ईओयू द्वारा क्यूपीआर भेजने के आधार पर की जाएगी तथा पूरे वित्तीय वर्ष में अगली तिमाही में पूर्ण किए गए ए.पी आर के अनुसार की जाएगी । क्यूपीआर/एपीआर के फार्म परिशिष्ट 14 (घ) में निर्धारित किये गये हैं ।

ख. ईओयू की ईपी/एनएफईपी की सामूहिक पुनरीक्षा विकास आयुक्त/संयुक्त विकास आयुक्त तथा उपायुक्त/सहायक आयुक्त सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के द्वारा आयुक्त सीमा कार्यालय में की जाएगी जहाँ फर्म के प्रतिनिधि को भी आमंत्रित किया जाएगा, इससे उनको इस स्कीम को समझने में सहायता मिलेगी, विकास आयुक्त को सलाह दी जाती है उन सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के आयुक्तों की संख्या पता करे जहाँ बैठकों होनी हो तथा इन स्थानों पर जाने निरीक्षण किया जाए ताकि तीन महिनों के भीतर सभी स्थान पूरे हो जाए, कुछ स्थानों में संयुक्त विकास आयुक्त जाएं तथा अगले तीन महिनों में ये स्थान संयुक्त विकास आयुक्त तथा विकास आयुक्त के मध्य बदल जाए, ईपीएसईजैड के लिए पुनरीक्षा मण्डल में ही की जाए,

ग. इस स्कीम का प्रचार करने ऐसी बैठकों होने के पहले स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन दिये जाने चाहिए, संवर्धन कार्यक्रम स्थानीय उद्योगों/एसोसियेशनों तथा अन्य किसी संगठन जिनकी क्षेत्र में अच्छी पहचान हो के साथ मिलकर की जानी चाहिए, जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक को भी मिलाया जाए ।

घ. प्रत्येक मौजूद यूनिटों की पुनरीक्षा उनकी कठिनाईयों को गहन रूप से जानने के लिए तथा उसका समाधान के लिए किया जाना चाहिए, प्रत्येक यूनिटों की कमी अथवा कमजोर कार्य के कारण जानने का प्रयत्न करना चाहिए तथा इसकी कमी को खत्म करने के लिए कार्रवाई योजना बनानी चाहिए । इसको सुनिश्चित करना चाहिए यूनिटों की निर्यात संवर्धन की रणनीति हो तथा भविष्य के कुछ वर्ष में निर्यात का लक्ष्य हो ताकि उनको इसकी जानकारी हो कि उन्हें क्या प्राप्त करना है । चुककर्ता यूनिट के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि स्कीम को दुरुपयोग करने वालों को हतोत्साहित किया जा सके ।

ङ. ऐसी यूनिटें जो कार्यान्वयन में हो एक अलग से पुनरीक्षा होनी चाहिए ताकि उनके मामलों को सुलझाया जा सके ।

च. ऐसी जगहों में जहाँ आधारभूत कमी जानकारी में आये तो जिला प्रशासन को सलाह दी जाए कि वे ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करे जो कि राज्य सरकार द्वारा निर्यात आधार भूत ढांचा और अन्य सम्बद्ध गतिविधियों (ए एस आई डी ) के विकास के लिए केन्द्रीय सहायता हेतु स्कीम के अन्तर्गत मंत्रालय को अनुमति के लिए भेजी जाए ।

छ. विकास आयुक्त संयुक्त पुनरीक्षा के आधार पर वाणिज्य विभाग व सी.बी.ई.सी की सूचना के जिस एक रिपोर्ट तैयार करे तथा ऐसे उपायों का सुझाव दें जिससे कि चुककर्ता यूनिटें अपना दायित्व पूरा कर सके ।



### 8. एस. ई. जैड यूनिटों की त्रैमासिक व वार्षिक निगरानी -

क. एस. ई. जैड यूनिटों के कार्य की निगरानी एक्जिम नीति में दी गई कमेटी द्वारा की जाएगी,  
ख. एच.बी.ओ.पी. में प्रत्येक तिमाही में निर्धारित फॉर्मेट के मिलने पर एस.एफ.बी. यूनिटों के कार्य की निगरानी की जाएगी ।

ग. परिशिष्ट-14 (घ) के अनुलग्नक-III में निर्धारित एपीआर के आधार पर वार्षिक निगरानी की जाएगी, दारिद्र्य कारवाई तभी प्रारम्भ की जाएगी जबकि तीसरे और उसके बाद के वर्षों में प्राप्त की गई एन.ई.एफ.निषेत्सक हो । मौजूदा ई पी जैड यूनिटें जो एस ई जैड में स्थानान्तरित हो रही हैं वाणिज्यिक उत्पाद की तिथि यूनिटों द्वारा पूर्ण किये गये वर्षों की गणना निगरानी के लिए की जाएगी ।

घ. संयुक्त पुनरीक्षा के दौरान कमी या कमजोर कार्य-प्रदर्शन के कारणों का पता करने का प्रयत्न किया जाना चाहिए तथा यूनिटों के अनुसार कारवाई योजना बनायी जानी चाहिए ।

ङ संयुक्त पुनरीक्षा के आधार पर विकास आयुक्त वाणिज्य व सी.बी.ई.सी की सूचना के लिए एक रिपोर्ट तैयार करे तथा ऐसे उपायों का सुझाव दे जिससे की चूककर्ता यूनिटें अपना दायित्व पूरा कर सकें ।

#### प्रोफार्मा-1

1. ईओयू/ईपीजैड यूनिटों का अनुमोदन व कार्यान्वयन
- क. वैद्य अनुमोदित यूनिटों की संख्या -
- ख. रद्द यूनिटों की संख्या
- ग. अन्तिम रूप से डिबोन्ड की गई यूनिटों की संख्या
- घ. निर्यातक यूनिटों की संख्या
- ङ. कार्यान्वयन में यूनिटों की संख्या
- च. ऐसी यूनिटों की संख्या जो कार्यान्वयित नहीं की गई है

#### II. निगरानी का परिणाम

ईओयू/ईपीजैड यूनिट

2000-2002,

1999-2000

क. प्रथम व दूसरे वर्ष के अन्त में एन एफ ईपी और/या ईपी में कमौ वाली यूनिटें ( परिशिष्ट-1 में दिये गये नार्मस के अनुसार)

ख. तीसरे व उसके बाद के वर्षों में एन एफ ई पी/ईपी में असफल यूनिटें

ग. जहाँ पर निर्यात आय वित्तीय वर्ष के अंत में 180 दिनों से अधिक बकाया हो जहाँ सक्षम अधिकारी प्राप्ति की अवधि को बढ़ाया न हो ।

- घ) यूनिटों द्वारा राजस्व में अंशदान  
 क) वित्तीय वर्ष में डी.टी.ए. बिक्री में उत्पाद शुल्क  
 ख) वित्तीय वर्ष में आयकर का भुगतान, यदि कोई हो तो ।  
 ग) राज्य कर, शेष शुल्क व लेवी ( घरेलू खरीद में केन्द्रीय बिक्री कर के भुगतान सहित)

#### विशेष आर्थिक क्षेत्र की इकाइयाँ

- क. यूनिटें जो एक वर्ष से अधिक से कार्य कर रही हैं ।  
 ख. यूनिटें जिनका तीसरे व बाद के वर्षों में निषेधात्मक एन एफ ई हो ।  
 ग. वित्तीय वर्ष के अन्त में बकाया निर्यात कारोबार 360 दिन से अधिक है  
 ( जहाँ प्राप्ति की अवधि सक्षम अधिकारी द्वारा बढ़ायी नहीं गई हो )  
 घ. यूनिटों द्वारा राजस्व में अनुदान।  
 क) वित्तीय वर्ष में डी.टी.ए बिक्री में उत्पादन शुल्क  
 ख) वर्ष में आयकर का भुगतान  
 ग) राज्य कर, शेष शुल्क व लेवी ( घरेलू खरीद में केन्द्रीय बिक्री कर का भुगतान)

#### प्रोफार्मा-II

#### ईपीजेड/एसईजेड

वर्ष 2002.2003 के वार्षिक कार्य निष्पादन का सारांश सैक्टर वाइज

क्र. सं.	यूनिट का नाम ई ओ यू मामले में आइडी नं० सहित	उत्पादन चालू होने की तिथि	विनिर्माण की मद	आयातित पूँजीगत माल का मूल्य	आर.एम कम्पोनेन्ट का मूल्य आदि	जानकारी/ कमीशन के लिए विदेशी मुद्रा दी गई इत्यादि	कुल किया गया निवेश	आज तक पैदा किया गया रोजगार
1	2	3	4	5	6	7	8	9

पिछले पाँच वर्ष या कम जैसा भी लागू हो, के लिए निर्यात दायित्व का मूल्य	वास्तविक निर्यात कालम 10 में दायित्व के प्रति	निर्यातों में कमी	नीति के अनुसार मानदण्ड	अवधि के दौरान प्राप्ति	कमी	डी.टी.ए में की गई बिक्री का मूल्य	टिप्पणी
10	11	12	13	14	15	16	17

प्रोफार्मा- III

यूनिट का नाम:-

( रु. लाख में/ डालर मिलियन में)  
कार्य का महीना पूँजीगत माल  
का आयात, वास्तविक।

1. विनिर्माण की मद:
2. एन.एफ.ई.पी. का इन्डस्ट्रीनार्म:
3. चालू होने की तिथि पिछले 5 वर्ष ( या कम जैसा लागू हो) .
4. निर्यात दायित्व पिछले 5 वर्ष: रु. लाख में / डालर मिलियन में  
या कम जैसा लागू हो पिछले 5 वर्ष ( या कम जैसा लागू हो) .
5. निर्यात
6. एक यूनिट से दूसरे यूनिट को पूर्ति
7. सी.जी.डेविट
8. आयातित कच्चा माल/ इनपूट प्रयुक्त
9. विदेशी मुद्रा का अन्य व्यय
10. कुल आयात
11. एन एफ ई
12. एन एफ ई पी
13. निर्यात दायित्व के उत्तर
14. डी टी ए बिक्री
15. लंबित आयात आय का ब्यौरा  
वित्तीय वर्ष में 180/360 दिन  
से अधिक ( .जहाँ प्राप्ति की  
अवधि सक्षम प्राधिकारी द्वारा  
बढ़ायी न हो) .
16. यूनिटों द्वारा राजस्व में अंशदान  
क. वित्तीय वर्ष में डी टी एफ की  
बिक्री पर उत्पाद शुल्क  
ख. वर्ष में भुगतान किया गया आयकर  
ग. राज्यकर, सैस शुल्क व लेवी (घरेलू  
खरीद पर किया गया केनीय विक्री  
कर के भुगतान सहित) .
17. टिप्पणी

अनुलग्नक-1

एन. एफ. ई.पी/एन.एफ.ई की गणना**1. एन.एफ.ई.पी/ईपी प्राप्ति की गणना करते समय निम्नलिखित मूलभूत बातों को ध्यान में रखा जाना है:-**

- (i) पूंजीगत माल का ऋण चुकता मूल्य तथा तकनीकी जानकारी का शुल्क।
- (ii) आयातित पूंजीगत माल का मूल्य ( .जिनका वर्ष भर में व्यय किया गया हो उपभोज्य, स्पेयर्स इत्यादि) .
- (iii) अन्य विदेशी मुद्रा का व्यय जैसे कि रॉयल्टी बादप व्यावसायिक ऋण पर ब्याज
- (iv) वास्तविक निर्यात का मूल्य डी.टी.ए. विक्री के अतिरिक्त परन्तु नीति के पैरा 6.9 व 7.8(ग) के अन्तर्गत की गई आपूर्ति सहित

2. पूंजीगत माल का ऋण चुकता मूल्य: इस प्रयोजन के लिए पूंजीगत माल के लिए उतने मूल्य को हिसाब में लिया गया है जितना प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 के पैरा 7.4 एन एफ ई के लिए और पैरा 6.5 एन एफ ई पी के लिए दर्शाया गया है। 5 वर्ष से पहले की अवधि में आयातित पूंजीगत माल को एन एफ ई पी/एन एफ ई के लिए ध्यान में नहीं रखा जाता। जहाँ प्लान्ट व मशीनरी में व्यय 5.00 करोड़ से अधिक हो वहाँ पूंजीगत माल के मूल्य को 8 वर्षों में बार दिया जाएगा। अगर शुल्क मुक्त पूंजीगत माल को किसी लिजिंग ऐजेंसी लिज में लिया गया हो या उधार लिया गया हो पूंजीगत माल का सी आई एफ मूल्य आयातित इनपुर में शामिल किया जाएगा। तथापि ऐसे पूंजीगत माल के अनएमोर्टाईज्ड भाग के मूल्य के वापस करने पर गणना के फार्मूला से हटा दिया जाएगा।

3. कच्चा माल उपभोज्य व स्पेयर्स का आयात: कोई भी आयातित कच्चा माल, उपभोज्य या स्पेयर्स को लेखों में लिया जाएगा। तथापि यह नोट किए जाए कि जो भी कच्चा माल पिछले वर्ष से बकाया हो उसको जोड़ लिया जाए तथा बचे हुए कच्चे माल के हटा दिया जाए, जिससे पता लगेगा कि कितना कच्चा माल वर्ष भर में उपयोग किया गया, एक यूनिट से दूसरे यूनिट में स्थानान्तरित कच्चा माल को भी जाड़ लिया जाए।

4. विदेशी मुद्रा का अन्य व्यय एक विशेष वर्ष में रॉयल्टी, निर्यात में कमीशन, डीविडेंड बाह्य व्यावसायिक ऋण वैल्यू एडीसन की गणना के लिए विदेशी मुद्रा का व्यय माना जाएगा। तथापि जानकारी के लिए खर्च किया तथापि

जानकारी के लिए खर्च किया शुल्क को 5 वर्ष/8 वर्ष जैसा भी लागू को विभावित किया जाएगा।

5. **निर्यात का मूल्य:** निर्यात का मूल्य गणना करने के लिए वर्ष में कि गई डी टी ए बिक्री को लेखे में नहीं लिया जाएगा। तथापि नीति के पैरा 6.9 और 7.8(ग) के अनुसार कि आपूर्तियों के बारे में एन एफ ई पी/एन एफ ई की नीति ध्यान में लिया जाएगा।
6. नीचे एक यूनिट का ब्यौरा दिया गया है जिसमें 1999-2000 का एन एफ ई पी की गणना की जानी है। यह इस बात के मानने पर है कि पिछले वर्ष तथा 1999-2000 में कोई आयातित कच्चा माल नहीं बकाया था। इस मामले में 1999-2000 की एन एफ ई पी गणना निम्नानुसार की जाती है।

1. पूँजीगत माल का एमोरटाइज्ड मूल्य (वर्ष 1995-96 से 1999-2000 के दौरान आयातित पूँजीगत माल का)	(20 प्रतिशत(अर्थात् 50लाख का का 20 प्रतिशत)
	रु. 10.00 लाख
2. पूँजीगत माल का आयात इत्यादि	रु. 100.93 लाख
3. विदेशी मुद्रा का अप्य व्यय	रु. 10.72 लाख
4. निर्यात का मूल्य	रु.173.13 लाख

$$\begin{aligned} \text{एन एफ एफ पी होगी} &= \frac{173.13 - (10 + 100.93 + 10.72) \times 100}{173.13} \\ &= 29.73\% \end{aligned}$$

#### परिशिष्ट - 14 च

ई ओ यू/ई पी जैड/ई एच टी पी/एस टी पी यूनिटों द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र टी डी ए में माल की बिक्री के लिए दिशा निर्देश ।

टिप्पणी: कृपया नीति के पैराग्राफ 6.8, और 6.9 और प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 6.8 और 6.9 देखें ।

1. ई. ओ.यू/ई.पी.जेड यूनिटों के लिए डी टी ए बिक्री हकदारी :

ई ओ यू/ई पी जैड/ई एच टी पी/एस टी पी यूनिटों द्वारा डी टी ए में बिक्री के लिए आयात निर्यात नीति के पैराग्राफ 6.8, और प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 6.8 में व्यवस्था दी गई है ।

डी टी ए में ऐसी बिक्रियाँ निम्नलिखित दिशा निर्देशों द्वारा शासित होंगी :

क) डी टी ए में माल की बिक्री राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित लागू शुल्कों के भुगतान के अधीन होगी । डी.टी.ए. बिक्री में पैरा 6.8 के अधीन भारत में किसी अन्य यूनिट से निकासी शामिल है ।

ख) डी टी ए बिक्री हकदारी केवल उन वस्तुओं और सेवाओं के लिए लागू होगी जो निर्यात-आयात नीति के अनुसार अनुमत हैं। डी टी ए बिक्री की अनुमति नहीं होगी यदि ऐसी बिक्री निर्यात-आयात नीति या अनुज्ञा पत्र/आशय-पत्र में विशेषतः निषिद्ध है।

ग) ई पी जेड/एस ई जेड के संबंधित विकास आयुक्त को सूचित करके त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक या वार्षिक आधार पर डी टी ए बिक्री का विकल्प चुन सकती है।

घ) डी टी ए बिक्री हकदारी का लाभ हकदारी के अनुमोदन के तीन वर्ष के भीतर प्राप्त कर लेना चाहिए।

ड) ई.ओ.यू. द्वारा निर्यात-आयात नीति के अनुसार डी.टी.ए में माल की बिक्री के लिए आवेदन, अनुलग्नक-क में उल्लिखित फार्म में संबंधित विकास आयुक्त को प्रस्तुत किया जायेगा। आवेदन-पत्र, किसी स्वतंत्र लागत/सनदी/लागत एवं निर्माण लेखाकार द्वारा प्रमाणित किया जायेगा और सीमा शुल्क/उत्पाद शुल्क के बांड अधिकारी जिसके कार्यक्षेत्र में यूनिट आता है, द्वारा पृष्ठांकित किया जायेगा, संबंधित विकास आयुक्त डी.टी.पी.एल. बिक्री अनुमति की सीमा निर्धारित करेगा और मूल्य के आधार पर प्राधिकास-पत्र जारी करेगा। कोई ई पी जेड यूनिट डी टी ए में अपने रिकार्ड के आधार पर बिक्री करेगा बशर्ते कि सीमाशुल्क प्राधिकारियों को आवेदन-शुल्क का भुगतान कर दिया हो।

च) अग्रिम डी.टी.ए बिक्री की अनुमति प्रथम वर्ष में परिकल्पित निर्यात की पात्रता से अधिक नहीं होगी और यह बिक्री अधिकतम दो वर्षों की अवधि में बाद की पात्रता के प्रति समायोजित की जायेगी। तथापि, औषध और भेषज यूनिटें, प्रथम दो वर्षों में परिकल्पित निर्यात पर उत्पादन की अग्रिम डी टी ए बिक्री कर सकते हैं जिसके बाद में यूनिट द्वारा उत्पादन आरंभ करने की तारीख से अधिकतम तीन वर्षों की अवधि के भीतर बाद की पात्रता के प्रति समायोजित किया जायेगा। यूनिट को अग्रिम डी टी ए बिक्री पर दिए गए शुल्क और ऐसे माल पर लागू पूरे शुल्क की राशि के अन्तर को पूरा करने के लिए संबंधित सहायक सीमाशुल्क आयुक्त/उत्पाद शुल्क आयुक्त के साथ बाण्ड निष्पादित करना होगा।

छ) अग्रिम डी.टी.ए. बिक्री अनुमति, क्षमता विस्तार/उत्पाद विविधता के मामलों पर भी लागू होगा। ऐसे मामलों में, यूनिट विस्तार या नये उत्पादन स्ट्रीम या उत्पादन विविधता से सम्बद्ध अग्रिम डी.टी.ए बिक्री का पात्र होगा। तथापि, टेक्नालॉजी परिवर्तन के परिणामस्वरूप नये उत्पादन स्ट्रीम के मामलों को छोड़कर ई ओ यू के अंतर्गत आने वाली किसी डी.टी.ए. यूनिट को अग्रिम डी.टी.ए. बिक्री की अनुमति नहीं होगी।

ज) यदि यूनिट द्वारा प्राप्त शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जन समन्वित आधार पर नीति के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित न्यूनतम स्तर से कम नहीं है तो वह डी टी ए बिक्री का पात्र होगा।

झ) ई ओ यू जो तिमाही आधार पर किए गए निर्यात पर डी.टी.ए. अर्जन के पात्र हैं और पुष्पोत्पादन, बागवानी, मत्स्यपालन जैसे नश्वर मर्दों के विनिर्माण में लगी हैं वे तिमाही आधार पर लाभ उठा सकते हैं। यह अनुमति संबंधित विकास आयुक्त द्वारा अग्रिम दी जा सकती है बशर्ते कि यूनिट ने पिछले तिमाही तक समेकित सकारात्मक शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जन प्राप्त कर लिया हो।

त्र) सेवा क्षेत्र की यूनिटें भी उपर्युक्त प्रक्रिया के अनुसार डी.टी.ए बिक्री का लाभ उठा सकती हैं।

ट) इंस्टेट घाय के टी-बैग या बल्क में निर्यात के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का 20 प्रतिशत तक डी टी ए बिक्री की अनुमति होगी।

## II. रत्न और आभूषण उत्पादों की बिक्री

रत्न और आभूषणों की डी टी ए बिक्री की अनुमति वार्षिक आधार पर संबंधित विकास आयुक्त द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन पिछले वर्ष के दौरान निर्यात के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 10% तक दी जाएगी :-

क) ई ओ यू द्वारा आवेदन संबंधित के विकास आयुक्त को वार्षिक आधार लाइसेंससिम वर्ष पर प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें पिछले लाइसेंस वर्ष के दौरान किए गए उत्पाद और निर्यात के ब्यौरे देने होंगे ; जो चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और आधिकारिक सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा पृष्ठांकित होंगे । तथापि कोई ई पी जैड यूनिट रखे गये रिकार्ड के आधार पर एवं सीमाशुल्क प्राधिकारियों की पूर्व अनुमति से डी टी ए में बिक्री कर सकते हैं।

ख) सादा आभूषणों की डी टी ए बिक्री भारतीय रुपये में रियायती दर पर शुल्क भुगतान करने पर अनुमति होगी जैसाकि नामित अभिकरणों से बिक्री के लिए लागू है । जहाँ तक जड़ित आभूषणों का संबंध है, शुल्क का भुगतान सीमाशुल्क प्राधिकरण द्वारा यथा अधिसूचित भारतीय रुपये में करना होगा ।

### III. डी टी ए में अन्य आपूर्तियां

(i) निर्यात और आयात नीति के पैराग्राफ 6.9 और प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 6.9 में विनिर्दिष्ट आपूर्तियों के सम्बन्ध में डी टी ए में माल की बिक्री के लिए निम्नलिखित मार्ग निर्देश लागू होंगे :

क) आवेदन के समय, यूनिट डी टी ए में सप्लाई की जाने वाली वस्तुओं की मात्रा और मूल्य निर्दिष्ट करेगा । यदि डी टी ए खरीददार आयात लाइसेंस के प्रति बिक्री प्रभावित करता है तो सम्बंधित सीमाशुल्क/उत्पाद अधिकारी, द्वारा ऐसी बिक्री की मात्रा और मूल्य के लाइसेंस पर उपयुक्त प्रविष्टि करने के बाद बिक्री की अनुमति दी जाएगी । आयात लाइसेंस यूनिटों द्वारा प्रभावित ऐसी आपूर्तियों की सीमा तक आगामी आयातों के लिए वैध किए जाने के लिए बन्द कर दिया जाएगा ।

ख) यदि यूनिटों द्वारा बेची जाने वाली वस्तुओं के लिए आयात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है, सम्बंधित सीमा शुल्क/केन्द्रीय उत्पाद अधिकारी यूनिट से डी टी ए को ऐसी आपूर्तियों की अनुमति देगा ।

ग) उपरोक्त (क) और (ख) के अन्तर्गत सप्लाई की जाने वाली वस्तुएं निर्यात दायित्व पूरा करने और निवल विदेशी मुद्रा की प्रतिशतता को प्राप्त करने के प्रयोजनों के सम्बंध में ली जाएगी । यूनिट विकास आयुक्त को तिमाही

विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें डी टी ए वर्गवार निकासी की गई वस्तुओं के ब्यौरे देगा ।

#### (ii) नीति के पैरा 6.8(ड.) के अधीन बिक्री

नीति के पैरा 6.8 (ड.) के अधीन बिक्री पर विकास आयुक्त द्वारा तिमाही आधार पर विचार किया जायेगा घरेलू बिक्री के मामले पर विचार करते समय विकास आयुक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखेगा कि स्कीम की निर्यात उन्मुखता बनी रहेगी ।

#### 4. अस्वीकृत माल की बिक्री

डी टी ए में अस्वीकृत माल की बिक्री, आयात-निर्यात नीति के पैरा 6.8 (क) और प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 6.8 (क) के अनुसार दी जा सकती है

#### 5. उपोत्पादों की बिक्री

डी टी ए में ऐसे उपोत्पादों की बिक्री नीति के पैरा 6.8 (ज) के प्रावधानों के अनुसार की अनुज्ञा पत्र/आशय पत्र में मद शामिल करने के बाद अनुमति दी जाएगी ।

अनुलग्नक-क

डी टी ए बिक्री अनुमति के लिए आवेदन

निर्यात आयात नीति ..... की अवधि के लिए पैरा 6.8(ख) के तहत

(तिमाही/छमाही/वार्षिक)

## I. परियोजना विवरण-

## 1. यूनिट का विवरण

- (i) यूनिट का विवरण  
(ii) आई ई सी संख्या

## 2. एल ओ आई/एल ओ पी/आई एल संख्या और तारीख:

3.	एल ओ पी/एल ओ पी/आई एल में विनिर्माण और निर्यात के लिए अनुमोदित उत्पाद का विवरण	विनिर्माण/सेवा के मद (मदों)	वर्तमान धारक क्षमता
		1. 2. 3.	

## 4. उत्पादन जारी होने की तारीख:

## II. अग्रिम डी टी ए बिक्री का विवरण

5	अग्रिम अनुमत डी टी ए बिक्री का विवरण, यदि कोई है	अनुमोदन संख्या और दिनांक	उत्पाद/सेवा का विवरण	मूल्य
1.				
2.				
3.				
कुल				

## 6.8(क), (ख), (घ) और (ज) के अंतर्गत प्रेषण का विवरण

6.	अग्रिम डी टी ए बिक्री का विवरण (कृपया अवधि का उल्लेख करें).	अग्रिम डी टी ए बिक्री के रूप में डी टी ए में बेची गई वस्तुओं/सेवाओं का ब्यौरा	मूल्य
1.			
2.			
3.			
कुल			



## III. आवेदित राशि के लिए उत्पादन का ब्यौरा

## कुल उत्पादन

I.	उत्पादन/निर्मित वस्तुओं/सेवाओं का ब्यौरा	कुल उत्पादन जिसमें रिजैक्ट्स और वेस्ट/स्क्रेप भी शामिल है।	
		मात्रा	फैक्टरी मूल्य
1.			
2.			
कुल			

## IV. आवेदित अवधि के लिए वास्तविक निर्यात का विवरण

	वास्तविक निर्यात का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य	रद्द परेषण का मूल्य, यदि कोई हो	वास्तविक निर्यात का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
1.			
2.			
3.			
कुल			

V.	निर्यात की प्रतिशतता के रूप में शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जन (एन एफ ई पी)
	पिछले पाँच वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में निर्यात से प्राप्त शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जन। (संगणना संलग्न चार्ट में)

VI.	प्रस्तावित डी.टी.ए बिक्री का विवरण	
	डी. टी. ए. में बेचे जाने वाले प्रस्तावित मर्दों का विवरण	मूल्य
1.		
2.		
3.		
कुल		

## घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दी गई सूचना सत्य और ठीक है।

आवेदक का हस्ताक्षर \_\_\_\_\_

नाम \_\_\_\_\_

पदनाम \_\_\_\_\_

कम्पनी की मोहर \_\_\_\_\_

## सनदी लेखाकार का प्रमाण-पत्र

हमने कम्पनी के रिकार्ड और लेखा बहियों से ऊपर उल्लिखित आँकड़ों की जाँच की है और सत्यापित किया है और उन्हें सत्य और सही पाया है।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
नाम \_\_\_\_\_  
सदस्यता संख्या \_\_\_\_\_  
मोहर \_\_\_\_\_

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी द्वारा प्रमाण-पत्र निरीक्षक/केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क, फैक्टरी का प्रभारी द्वारा रिकार्ड सत्यापित किया गया और सही पाया गया।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
नाम \_\_\_\_\_  
मोहर \_\_\_\_\_

टिप्पणी : प्रत्येक पृष्ठ को सत्यापित किया जाये और सनदी लेखाकार द्वारा हस्ताक्षर किए जाए।

पिछले पाँच वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में प्राप्त शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जन दर्शाने वाला संगणना चार्ट  
(सनदी लेखाकार द्वारा प्रमाणित)

1. निर्यातों का ब्यौरा : (रूपये लाखों में)
  - (1) पिछले पाँच वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में रूपये  
कियेगये वास्तविक निर्यातों के पोत पर्यन्त  
निःशुल्क मूल्य
  - (2) निर्यात आयात नीति के पैरा 6.10 के अधीन की रूपये  
गई आपूर्तियों का मूल्य
  - (3) योग रूपये
2. पिछले 5 वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में आयातित डी जी सेट और अन्य कार्यालय उपकरणों सहित पूँजीगत माल का ब्यौरा
  - I. पिछले 5 वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में आयातित पूँजीगत माल (वर्षवार) का लागत-बीमा भाड़ा मूल्य
 

प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पाँचवा वर्ष	योग
------------	--------------	------------	-------------	-------------	-----
  - II. पिछले 5 वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में अन्य ई ओ यू/ई पी जेड यूनिट या लीजिंग कम्पनी से खरीदी गई आयातित पूँजीगत माल का मूल्य
 

प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पाँचवा वर्ष	योग
------------	--------------	------------	-------------	-------------	-----

3. पूँजीगत माल का परिशोधित मूल्य रुपये  
कृपया संगणना के लिये निम्नलिखित टिप्पणी देखें ।
4. आयातित कच्चा माल का ब्यौरा रुपये
- अ। पिछले 5 वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में पी ओ एल  
उत्पाद और संघटकों आदि सहित आयातित कच्चा माल  
उपभोज्यों का कुल लागत बीमा भाड़ा मूल्य रुपये
- ब। पिछले 5 वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में निर्यात आयात  
नीति के पैरा 6.9 ग।, 6.14 के अधीन की गई खरीद  
का मूल्य रुपये
- स। संबंधित अवधि के अंत में स्टॉक और प्रक्रिया में उपर्युक्त  
(1) और (2) पर उल्लिखित वस्तुओं का मूल्य
- द। यूनिट से निकासी और उत्पादित वस्तुओं में प्रयुक्त  
कच्चेमाल का मूल्य (1) + (2) - (3)
5. यथा लागू कम अथवा विगत पाँच वर्षों में यूनिट से निकासी और उत्पादित वस्तुओं में संघटको,  
उपभोज्यों, स्वदेशी कच्चे माल का कुल मूल्य रुपये ।
6. पिछले 5 वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में अन्य विदेशी मुद्रा का प्रवाह
- i। लाभांश रुपये
- ii। लाभ रुपये
- iii। तकनीकी जानकारी फीस रुपये
- iv। रायल्टी रुपये
- v। कमीशन रुपये
- vi। विदेशी दौरे रुपये
- vii। विदेशी मुद्रा का कोई अन्य प्रवाह रुपये

( कृपया ब्यौरे का उल्लेख करें )

7. अर्जित शुद्ध विदेशी मुद्रा

$$\frac{\text{ए} - \text{बी}}{\text{ए}} \times 100$$

जहाँ ए = निर्यात का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य।

बी = उपयुक्त आयातित निर्विष्टि का कुल मूल्य का योग। आयातित पूँजीगत माल,  
तकनीकी जानकारी फीस और विदेशी मुद्रा में किया गया अन्य व्यय का अनुपातित  
(परिशोधित) मूल्य।

टिप्पणी : आयातित पूँजीगत माल और तकनीकी जानकारी फीस का आनुपातिक परिशोधित मूल्य का हिसाब,  
पिछले पाँच वर्षों या कम, जैसा लागू हो, में प्रत्येक वर्ष के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 20% के से  
लगाया जायेगा।

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 5th June, 2002

**No. 16/2002—2007**

**F. No. 01/94/180/Handbook/AM 03/PC-IV.**—In exercise of powers conferred under paragraph 2.4 of the Export and Import Policy, 2002—2007, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in the Handbook of Procedures (Vol. 1):—

**1. Para 6.2 (j) is corrected as under:**

“(j) The unit shall be able to account for the entire quantity of goods imported/procured duty free, by way of exports and sales in DTA or transfer to other EOU/EPZ/ EHTP/ STP/ SEZ units, and balance in stock. However, at no point of time the units shall be required to co-relate every Import consignment with each category of homogenous goods exported, transferred to other EOU/ EPZ/EHTP/STP/SEZ units, sales in DTA and balance in stock. In case of doubt the matter shall be referred to BOA for decision.”

**2. Note (I) of paragraph 6.5 is corrected as under:-**

(I) If any goods are obtained from another EOU/EPZ/EHTP/STP unit, or procured from an international exhibitions held in India and precious metals procured from nominated agencies, the value of such goods shall be included under B.

**3. Paragraph 6.8 (c) is corrected as under:-**

“DTA sale shall be admissible only to similar goods as that of the goods manufactured and exported from the unit. In case of doubt in regard to similar nature of goods, the matter shall be referred to the BOA for decision”.

**4. In paragraphs 6.8(e) and 6.8 (f), the words and expression “Appendix 14-M” is corrected to read as “Appendix 14-L”.**

**5. A new paragraph 6.9 (d) is added as under:**

“ITA –I items to be cleared in the DTA shall undergo tariff change at four digit level. Only the value added products, which have undergone the process of manufacture would be allowed to be clear in the DTA.

6. Paragraph 6.20 (d) is corrected as under:

"The depreciation norms for capital goods of units, including electronics, would be subject to an overall limit of 90% as notified by the Department of Revenue.

(i) Depreciation for computers and computer peripherals for all types of electronic units would be as follows:

10% for every quarter in the first year;  
8% for every quarter in the second year;  
7% for every quarter in the third year;

(ii) For capital goods, other than the above, the depreciation rate would be as follows:

4 % for every quarter in the first year;  
3 % for every quarter in the second and third year; and  
2.5 % for every quarter in the fourth year and thereafter.

7. Paragraph 6.22 (a) is corrected as under :

" (a) NFEP and EP shall be monitored in terms of paragraph 6.22 of the Policy as per the guidelines given in Appendix 14-E of the Handbook (Vol.1)."

8. The sub- paras of Paragraph 6.27 b) (v), are re-numbered as (a), (b),(c),(d),(e) & (f).

9. Paragraph 6.29 is corrected as under:

"A fast track procedure will be separately notified for EOU/EPZ units with actual investment in plant and machinery, both imported and indigenous imported of Rs.5 crores and above."

10. A) The Note at S.No 1. of Appendix 14-A pertaining to the "Application for setting up EOUs or Units in Export Processing Zone / SEZ" is corrected as under:

"1. Please see Paras 6.7 and 7.7 of EXIM Policy & Paras 6.7 and 7.7 of this Handbook."

B) In Annexure to Appendix 14 A pertaining to "Proforma to be filled in by the existing DTA units seeking conversion into the EOU/ EPZ/ SEZ Scheme" , clause "(h)" is deleted and the existing entry "(i)" is renumbered as "(h)"

11. A) The Note at the beginning of Appendix 14-D pertaining to "Form of Legal Agreement for Export Oriented Units and EPZ/ SEZ Units" is corrected as under:

"Please see paras 6.6 & 7.6 of EXIM Policy and Paras 6.6 & 7.6 of the Handbook of Procedure."

B) The words and expression "Central Excise and Salt Act 1944" at S.No 7 of Appendix 14 D, is substituted by the words and expression "Central Excise Act, 1944".

12. Appendix 14-E pertaining to the "Guidelines for monitoring the performance of EOU/ EPZ/ SEZ/ STP/ EHTP units" is corrected as per the Annexure to this Public Notice.

13. Appendix 14-F pertaining to the "Guidelines for sale of goods in the Domestic Tariff Area (DTA) by EOU/ EPZ/ SEZ/ STP/ EHTP units" is corrected as per the Annexure to this Public Notice.

14. A) The note at the beginning of Appendix 14-G pertaining to "Procedure to be followed for reimbursement of Central Sales Tax (CST) on supplies made to Export Oriented Units (EOU's) and units in Export Processing Zones (EPZ), Electronic Hardware Technology Park (EHTP), Software Technology Park (STP) and Special Economic Zones (SEZ) from Domestic Tariff Area (DTA)" is corrected as under :

" Please see Paras 6.12 & 7.9 of EXIM policy and paras 6.12 & 7.9 of this Handbook."

B) Clause (c) in the Undertaking and Declaration to Annexure 1 of Appendix 14 G, is deleted and the existing clause (d) is renumbered as (c).

15. The note at the beginning of Appendix 14-K pertaining to " Guidelines on revival/ debonding of sick EOU/ EPZ units" is corrected as under:

(Please see Para 6.28 of EXIM Policy & Para 6.28 of this Handbook)

16. A) The note at the beginning of Appendix 14-L pertaining to the "Norms of Scrap/ Waste Material for an export product under export oriented units and units in export processing zones" is corrected as under:

"Please see Para 6.8 of Policy and 6.8 of this Handbook."

B) S.No 107 of Appendix 14 L is amended as under:

S.No	Goods Manufactured	Goods Used	Percentage of scrap or waste on Imported goods
107	Silk fabrics	Mulberry raw silk/ Doupplon yarn	35%

17. The email ID of Development Commissioner, Cochin at S.No 36 of Appendix 24 pertaining to "List of Licensing Authorities and their Jurisdiction", is corrected as under :

"dc@csez.com"

18. The following corrections are made in Appendix 35 pertaining to the List of Agencies Authorised to Issue GSP Certification"

S. No.	Agencies Authorised to Issue GSP Certification	Authorized for
8.	Madras Export Processing Zone, Administrative Office Building, National Highway 45, Tambaram, Chennai 600045	All products manufactured by Units in Madras EPZ and EOUs. Located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
9.	Kandla Special Economic Zone, Gandhidham, Kutch, Gujarat, 370230	All products manufactured by Units in Kandla & Surat SEZs. and EOUs. located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
10.	SEEPZ Special Economic Zone Andheri (East), Mumbai, 400096	All products manufactured by Units in SEEPZ SEZ and EOUs. located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
11.	Cochin Special Economic Zone Kakkanad Cochin 682037	All products manufactured by Units in Cochin SEZ and EOUs. located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
12.	Noida Export Processing Zone Noida Dadri Road, Noida 201305	All products manufactured by Units in Noida EPZ and EOUs. located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
*14.	Visakhapatnam Export Processing Zone, Administrative Building, Duvvada Visakhapatnam 530046	All products manufactured by Units in Visakhapatnam EPZ and EOUs. located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
15	Falta Export Processing Zone 2nd	All products manufactured by Units in

	MSQ Building 4th Floor Nizam Palace, Kolkata 700020	Falta EPZ and EOUs. located within the respective jurisdiction of Development Commissioner
--	---	--

\* At present Visakhapatnam and Falta EPZs. are combined at S.No. 14.

19. The following corrections are made in Appendix 35 A pertaining to the "List of agencies to issue certificates of origin for SAPTA and Bangkok Agreement"

29.	SEEPZ Special Economic Zone Andheri (East), Mumbai, 400096
30	Kandla Special Economic Zone, Gandhidham, Kutch, Gujarat, 370230
32.	Cochin Special Economic Zone Kakkanad Cochin 682037

This issues in public interest.

N L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade & ex-officio Secy.

#### APPENDIX - 14 E

##### Guidelines for monitoring the performance of EOU/EPZ/SEZ/STP/EHTP units

- (1) The annual review of performance of each operational unit and its compliance with the conditions of approval shall be undertaken by the Development Commissioner before the end of the first quarter of the following financial year;
- (2) A summary of annual performance review will be sent by each Development Commissioner to the Ministry of Commerce for information under the three formats indicated below latest by 31st July every year;

Proforma I: Comparative statement of performance and monitoring as compared to previous year;

Proforma II: Summary of annual performance of the EOU/EPZ/SEZ units, sector - wise with sectoral sub - totals.

Proforma III: Unit-wise statement on NFE and NFEP showing the result of review.



## PART (A)

## 3. CRITERIA FOR ANNUAL MONITORING:

The criteria for keeping the unit under watch or initiating penal action in respect of EOU/EPZ units would be as follows :

- i) Watch - If there is shortfall in achieving the NFE/NFEP and/or Export Performance (as per norms in Exim Policy) at the end of 1st and IIInd year;
- ii) Penal action -If at the end of 3rd or subsequent year the NFE/NFEP/EP are not achieved as per Exim Policy, Show Cause Notice will be issued. After consideration of reply of unit, if it is noted that the unit has not achieved NFEP/EP as per policy the Development Commissioner would initiate penal action under the FT(D&R) Act, 1992;
- iii) If penal action has been initiated against a unit on account of shortfall in NFE/NFEP/EP as stated above in a particular year and it defaults again in subsequent year(s), fresh penal action will be initiated against the unit. If however, during the adjudication proceedings, it comes to light that unit has improved performance and now fulfilling NFE/NFEP/EP as per policy, DC concerned would consider that fact before taking a decision.

## 4. METHOD OF MONITORING:

- i) In all cases of debonding where the unit has imported inputs and failed to fulfil the conditions of LOP with regard to NFE/NFEP/EP, appropriate steps are to be taken for penal action after issuing Show Cause Notice to the units. Steps may also be initiated for cancellation of LOP/LOA of units which is not operating for more than a year;
- ii). The Minimum export obligation expressed as minimum FOB value of exports shall be as per the norm for the 5 year period for various sectors given in the Exim Policy from time to time;
- (iii) NFE/NFEP is to be calculated as per Paras 6.5, 6.22 & 7.4 of Exim Policy & Paras 6.5, 6.22 & 7.4 of the Handbook of Procedures (Vol.I). For purpose of uniformity, guidelines for calculation of NFE/NFEP/EP given in Exim Policy, may be followed.

## 5. MONITORING PERIOD

Units which have not completed one year, from the date of commencement of commercial production, will not be monitored. In case a unit has completed less than five years from the date of commencement of commercial production it will be monitored for the number of completed years. Annual monitoring in the cases of old units which have completed more than five years will be undertaken for only such number of years which fall in the second block of five years.

## 6. OTHER CONDITIONS

Development Commissioner will monitor Foreign Exchange realization/remittance of EOU/EPZ/SEZ units in coordination with the concerned General Manager of RBI as per instructions issued on the subject vide RBI circular No. COEXD. 3109/05.62.05/99-2000 dated 21.2.2000.

## PART B: SCHEME SPECIFIC CONDITIONS

## 7. Concurrent joint monitoring of EOU / EPZ units:

- a) The performance of EOU / EPZ units would be jointly reviewed by the Development Commissioners of EPZs and concerned Customs / Central Excise Officers on six monthly basis i.e. April - September each year to be completed in the following quarter on the basis of QPRs furnished by the EOUs and for the full financial year on the basis of APR to be completed in the following quarter. The formats of QPR/APR have been prescribed in the LUT at Appendix 14 D.
- b) Joint review of EP/NFEP of the EOUs would be conducted by the DC / JDC and jurisdictional Deputy Commissioner/Asstt. Commissioner of Customs and Central Excise in the office of Commissioner of Customs/Central Excise where representative of units would also be invited. This will help them to understand the scheme and clear the doubts about operation. The Development Commissioner are advised to identify the number of Customs and Excise Commissioners where the meetings are to be held and work out a schedule for visiting each of these places. It is suggested that at least two places should be visited each month, so that all places are covered within a period of three months. Some places may be covered by JDC and in the next six months, these could be interchanged between JDC and DC. For EPZ/SEZ units, this review will be done in the Zone itself.
- c) For publicising the scheme, advertisement in the local papers may be arranged before the date of such meetings. Promotion program may be organised in collaboration with local industry, Association or any other organisation which has good presence in the area. General Manager of District Industries Center may be associated.
- d) For each existing unit, review should be done at length to understand their problems and their possible resolution. Efforts should be made to identify the reasons for shortfall / poor performance and unit-wise action plan should be prepared for removal of bottlenecks. It should be ensured that the unit should have an export promotion strategy as well tentative targets for next few years, so that it has an idea as to what is to be achieved by them. Effective action should be taken against erring units to discourage any misuse of the scheme.
- (e) For units under implementation, separate review should be held so that their issues could be resolved.
- (f) At such places, if any infrastructure gaps are noticed, District Administration may be advised to prepare projects which can be routed through State Government to the Ministry for approval under Scheme for central Assistance for Developing export infrastructure and other allied activities (ASID).

- g) Based on the joint review Development Commissioner concerned would prepare a report for information of the Department of Commerce and CBEC and suggest corrective measures to enable the defaulting units to fulfill their obligation as per Exim Policy / Customs Notifications.
8. QUARTERLY AND ANNUAL MONITORING OF SEZ UNITS
- a) The performance of the SEZ units shall be monitored by a Committee as provided for in the Exim Policy.
- b) The performance of the SEZ units to be monitored each quarter period on the basis of reports received on formats prescribed in HBOP.
- c) Annual monitoring would be undertaken on the basis of APR prescribed in Annexure III of Appendix 14-D. However, penal action is to be initiated only if NFE achieved is negative at the end of 3rd or subsequent years. In case of existing EPZ units converting into SEZ scheme, the date of commencement of commercial production under the EPZ scheme will be the date for reckoning the number of years completed by the units for the purpose of monitoring.
- d) During the joint review, efforts should be made to identify the reasons for shortfall/poor performance and unit-wise action plan should be prepared for removal of bottlenecks through such a review.
- (e) Based on the joint review, Development Commissioner concerned would prepare a report for the information of the Department of Commerce and CBEC and suggest corrective measures to enable the defaulting units to fulfil their obligations as per Exim Policy/Customs Notifications

#### PROFORMA-I

##### I. APPROVAL AND IMPLEMENTATION OF EOUS / EPZ UNITS:

- a) No. of valid approved units :
- b) No. of units cancelled :
- c) No. of units finally debonded :
- d) No. of exporting units :
- e) No. of units under implementation :
- f) No. of units yet to be implemented :

##### II. RESULT OF MONITORING :

##### EOU/EPZ UNITS

2000 - 2001

1999 - 2000

- a. Units with shortfall in NFEP and/or EP (as per norms in Appendix - I.) at the end of 1st and 2nd year.
- b. Units which have failed to achieve NFEP / EP as per Appendix-I at the end of 3rd or subsequent years.
- c. Details of outstanding export proceeds (where the period of realisation is not extended by the competent authority) beyond 180 days at the end of financial year.

- d. Revenue contributions by the units  
 (a) Excise duty on DTA sale during the financial year (b) Income tax paid, if any, during the year (c) State taxes, cess duties & levies (including CST paid on domestic procurement).  
SEZ UNITS: Units which are operational
- a. for more than 1 year.
- b. Units with negative NFE at the end of 3rd or subsequent years.
- c. Details of outstanding export proceeds (where the period of realisation is not extended by the competent authority) beyond 360 days at the end of financial year.
- d. Revenue contributions by the units  
 (a) Excise duty on DTA sale during the financial year (b) Income tax paid, if any, during the year (c) State taxes, cess duties & levies (including CST paid on domestic procurement). App-142

## PROFORMA-II

EXPORT PROCESSING ZONE/SEZ

Summary of Annual Performance Report for the year 2002-3 Sector Wise

S1 No	Name of Unit with ID No. in Case of EOU	Date of Commencement of production	Item of Manufacture	Value of capital goods imported	Value of RM components etc.	Other outflow of FE towards knowhow, Commission etc	Total investment made	Employment Generated so far
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Value of exports			NFEP/NFE		Shortfall	Value of Sales made in DTA	Remarks
Obligation for last 5 years of less as applicable	Actual (as against obligation on col. 10)	Shortfall	Norm as per policy	Achieved during the period			
10	11	12	13	14	15	16	17

PROFORMA - III  
NAME OF THE UNIT

(Rupees in lakhs/ \$  
in Million):  
Month of operation CG  
Import (Actual):

1. Item of manufacture:
2. Industry Norm of NFEP (%)
3. Date of Commencement:

Last 5 years (or less as  
applicable)

4. Export Obligation for  
last 5 years Rs. in lakhs  
or less as applicable

\$ in Million

Last year Last 5 years (or  
less as applicable

5. Export
6. Inter Unit supply :
7. C. G. debit :
8. Imported RM/inputs used :
9. Other outgo of F. E. :
10. Total Imports :
11. NFE :
12. NFEP :
13. Difference in Export Obligation :
14. DTA Sale :
15. Details of outstanding export proceeds  
(where the period of realisation is not  
extended by the competent authority) beyond  
180/360 days at the end of financial year.  
(180 days for EOU/EPZ units & 360 days for SEZ  
units)
16. Revenue contributions by the unit  
(a) Excise duty on DTA sale during the financial  
year (b) Income tax paid, if any, during the  
year (c) State taxes, cess duties &  
levies (including CST paid on domestic  
procurement).
17. Remarks

## ANNEXURE - I

CALCULATION OF NFEP/NFE

1. While calculating NFEP/EP achieved, following basic components are to be taken into consideration:

- i. Amortised value of capital goods and technical know how fee
- ii. Value of import of R. M. (which is consumed during the year and consumables, spares, etc.).
- iii. Other outflow of foreign exchange towards royalty, interest on external commercial borrowings etc.
- iv. Value of physical exports effected excluding DTA sales but including supplies made under para 6.9 and 7.8(c) of the policy.

2. Amortised Value of Capital Goods: For this purpose as much value of CG is taken into account as indicated in para 6.5 for NFEP and 7.4 for NFE of the Hand Book of procedure (Vol.I). The CG imported prior to the 5 years period is not taken into consideration for the purposes of NFEP/NFE if the value of said CG is fully amortized. However where investment in plant and machinery is more than Rs. 5.00 crores, the value of imported CG will be apportioned over a period of 8 years. If any capital goods imported duty free is leased from a leasing company or is taken in loan the CIF value of the capital goods shall be included under the imported inputs. However, on return of such CG its unamortized portion of value would be excluded from the calculation formula.

3. Import of raw material, consumables and spares etc: Whatever R. M. Consumables and spares are imported during the year are taken into account. However, it should be noted that whatever R. M. is in balance at the end of the previous year is added while the RM at the end of the current year is deducted which will give the amount of RM consumed during the year. RM purchased as inter - unit transfer is also included.

4. Other outflow of foreign exchange: All the foreign exchange outflow on account of royalty, dividends, commission on exports, interest on external commercial borrowing etc., during the particular year has to be accounted for while calculating value addition. However outflow on account of know-how fee would be apportioned during a period of five years/eight years as applicable

5. Value of exports: While calculating value of exports, DTA sale made during the year are not to be accounted for. However, supplies made in accordance with the para 6.9 and 7.8(c) of the Policy will be taken into consideration for calculation of NFEP/NFE.

6. Given below are details of a unit so as to calculate the NFEP for the year 1999 - 2000, on the presumption that no imported RM was in balance at the end of previous year as well as at the end of 1999-2000. In this case, the NFEP for 1999-2000 is calculated as below: -

1. Amortised value of CG.	(20%	(i.e., 20% of Rs. 50.00 lakhs)
of import of CG made during the years		Rs. 10.00 lakhs
1995-96 to 1999-2000)		
2. Import of R. M. etc		Rs. 100.93 lakhs
3. Other outflow of F. E.		Rs. 10.72 lakhs
4. Value of exports		Rs. 173.13 lakhs

The NFEP comes to =  $\frac{173.13 - (10 + 100.93 + 10.72) \times 100}{173.13}$

APPENDIX- 14 FGUIDELINES FOR SALE OF GOODS IN THE DOMESTIC TARIFF AREA (DTA) BY  
EOU/EPZ/EHTP/STP UNITS:

NOTE: Please see Paragraphs 6.8 and 6.9 of the Policy and paragraphs 6.8 and 6.9 of the Handbook of Procedures.

I. DTA SALE ENTITLEMENT FOR EOU/EPZ UNITS :

Paragraphs 6.8 of the Export and Import Policy and 6.8 of the Handbook of Procedures provide for sale in DTA by EOU/EPZ/EHTP/STP units. Such sales in the DTA will be governed by the following guidelines:-

- a) The sale of goods in DTA will be subject to the payment of applicable duties as notified from time to time by the Department of Revenue, Ministry of Finance, Government of India. DTA sale includes clearance to any other unit within India under para 6.8.
- b) DTA sale entitlement will be applicable only to those goods and services which are permissible as per EXIM Policy. No DTA sale will be permissible if such sale is specifically prohibited in the Exim Policy or the Letter of Permission/Letter of Intent.
- c) Units may opt for DTA sales on a quarterly, half yearly or annual basis by intimation to the concerned Development Commissioner of the EPZ /SEZ
- d) The DTA sales entitlement shall be availed of within three years of the accrual of entitlement.
- e) An application for sale of goods in DTA as per Exim Policy by the EOUs shall be submitted to the Development commissioner concerned in the form given at Annexure-A. The application shall be certified by an independent Cost/Chartered /Cost and Works Accountant and endorsed by the Bond Officer of Customs/Central Excise having jurisdiction over the unit. The Development Commissioner concerned will determine the extent of the DTA sale admissible and issue authorization in terms of value . An EPZ unit may effect sale in DTA on the basis of records maintained by it subject to payment of applicable duties to Customs Authorities.
- f) Advance DTA sale permission not exceeding the entitlement accruable on the exports envisaged in the first year shall be permitted and such sale shall be adjusted against the subsequent entitlements in a maximum period of two years. However, drugs and pharmaceuticals units can make advance DTA sale of the production on the exports envisaged in the first two years adjustable against subsequent entitlements within a maximum period of three years from the date of commencement of production by the unit. The Unit shall be required to execute a bond with the Assistant Commissioner Customs/Central Excise concerned to cover the difference between the amount of duties paid on the advance DTA sale and the full duties applicable on such goods.

- g) Advance DTA sales permission would also be admissible in cases of capacity expansion/product diversification. In such cases, the unit would be entitled to advance DTA sales linked to the exports envisaged from the expansion or new production streams or through product diversification. However, no advance DTA sale would be admissible to a DTA unit converted into EOU except in respect of new production stream as a result of change of technology.
- h) The DTA sale entitlement would accrue if the NFEP achieved by the unit is not less than the minimum stipulated level in the Appendix-I of the Policy on cumulative basis.
- i) EOUs engaged in the manufacture of perishable items like floriculture, horticulture, pisciculture can also avail the facility of simultaneous sale in DTA of such perishable items on quarterly basis, while earning DTA entitlement on exports made during the said quarter. Such permission can be granted in advance by the DC concerned subject to the condition that the unit has achieved positive NFE cumulatively upto the previous quarter.
- j) Units in the service sector can also avail DTA sale as per procedure mentioned above.
- k) DTA sale of instant tea will be allowed upto 20% of FOB value of exports in the form of tea bags or bulk.

## II. SALE OF GEM & JEWELLERY PRODUCTS:

DTA sale of Gem & Jewellery items will be permitted on annual basis by the Development Commissioners upto 10% of FOB value of exports during the preceding year subject to following conditions:

- a) The application by an EOU will be submitted to DC concerned on yearly basis (licensing-year) giving the details of production and exports made during the preceding licensing year duly certified by a Chartered Accountant and endorsed by the jurisdictional Custom Authority. However an EPZ unit may effect sale in DTA on the basis of records maintained by it subject to payment of applicable duties to Customs authorities.
- b) The DTA sale of plain jewellery shall be permitted on payment of concessional rate of duty in Indian Rupees as applicable to sale from nominated agencies. In respect of studded jewellery, duty shall be payable in Indian Rupees as notified by Customs.



- OTHER SUPPLIES IN DTA: (i) Sale under para 6.9 of the Policy
- III The following guidelines shall apply to the sale of goods in the DTA in respect of supplies specified in paragraph 6.9 of the Export and Import Policy and paragraph 6.9 of the Handbook of procedures:
- a) The unit shall, at the time of application, indicate the quantity and value of goods sought to be supplied in the DTA. If the sale is effected against an import license held by the DTA purchaser, the Customs/Central Excise Officer concerned will allow such sales after making a suitable entry on the license of the quantity and value of such sales. The Import license shall cease to be valid for further imports to the extent of such supplies effected by units.
  - b) If, the goods proposed to be sold by the units do not require an import license, the Customs/Central Excise Officer concerned will allow such supplies from the unit to the DTA.
  - c) Goods supplied under (a) and (b) above will be taken into account for the purposes of discharging export obligation and achievement of NFEP. The unit will file a quarterly statement to the Development Commissioner giving details of the goods cleared in the DTA category-wise.
- (ii) Sale under para 6.8(f) of the Policy Sale under para 6.8(f) of the Policy shall be considered by the Development Commissioner on quarterly basis. While considering the domestic sales, the Development Commissioner will keep the circumstances of the case to ensure that the export orientation of the scheme is maintained.
- IV. SALE OF REJECTS Sale of rejects is also permitted in the DTA, as provided for in para 6.8(a) of the Export and Import Policy and para 6.8(a) of the Handbook of Procedures.
- V. SALE OF BY-PRODUCTS: The sale of by-products in the DTA is also permitted as per provision of para 6.8(h) of the Policy after inclusion of the item in LOP/LOI .

ANNEXURE - AAPPLICATION FOR DTA SALE PERMISSION

UNDER PARA 6.8(b) OF THE EXIM POLICY ----- FOR THE PERIOD  
(QUARTERLY/HALF YEARLY/ANNUAL)

**I. PROJECT DETAILS:****1. Details of the unit**

- (i) Name & Address of the unit:  
 (ii) IEC No.

**2. LOI/LOP/IL No. & Date:**

3.	Details of the products approved for manufacture and export in the LOI/LOI/IL	Item(s) of Manufacture/Service	Present installed capacity
		1. 2. 3.	

**4. Date of commencement of production:****II DETAILS OF ADVANCE DTA SALE**

5.	Details of advance DTA sale permitted, if any	Approval No. and Date	Particulars of products/service permitted	Value
1.				
2.				
3.				
Total				

**DETAILS OF DISPATCH UNDER PARA 6.8(a), (b), (d) & (h)**

6.	Details of advance DTA sale effected (Please indicate the period)	Description of goods/service sold in DTA as advance DTA sale	Value
1.			
2.			
3.			
Total			

**III. PRODUCTION DETAILS FOR THE APPLICATION PERIOD**

Gross production

I.	Description of	Total Production
----	----------------	------------------

	goods produced/manufact ured /service	including rejects and waste/scrap	
		Quantity	Ex-factory value
1.			
2.			
Tot al			

## IV DETAILS OF PHYSICAL EXPORTS FOR THE APPLICATION PERIOD

	FOB value of Physical Exports	Value of rejected consignment, if any	Net FOB value of Physical Exports
1.			
2.			
3.			
Total			

**V NET FOREIGN EXCHANGE EARNINGS AS A PERCENTAGE OF EXPORTS (NFEP)**

NFEP achieved on exports in the last five years or less as applicable (Calculation Chart enclosed)

**VI PARTICULARS OF PROPOSED DTA SALE**

Description of the items proposed to be sold in DTA	Value
1.	
2.	
3.	
Total	

**DECLARATION**

I/We hereby declare that the information given above is true and correct

Signature of the applicant

Name

Designation

Seal of the Company

**CHARTERED ACCOUNTANTS CERTIFICATE**

We have checked and verified the figures mentioned above from the records and books of account of company and found them true and correct

Signature

Name

Membership No

Seal

**CERTIFICATE BY CENTRAL EXCISE AUTHORITY**

Verified from the records and found correct by Inspector / Supdt. Of Central Excise & Customs I/C of the factory

Signature

Name

Seal

Note: Each page may be verified and signed by the Chartered Accountant

**CALCULATION CHART (TO BE CERTIFIED BY A CHARTERED ACCOUNTANT SHOWING NFEP  
ACHIEVED IN THE LAST FIVE YEARS OR LESS AS APPLICABLE)**

**1. DETAILS OF EXPORTS:**

(Rs. in Lakhs)

i)	F.O.B. value of physical exports made in the last five years or less as applicable	Rs.
ii.)	Value of supplies made under para 6.9 of the Exim Policy	Rs.
iii)	Total	Rs.

**2. DETAILS OF CAPITAL GOODS INCLUDING DG SET AND OTHER OFFICE EQUIPMENTS IMPORTED IN THE LAST FIVE YEARS OR LESS AS APPLICABLE**

**(I) CIF VALUE OF IMPORTED CAPITAL GOODS (YEAR WISE) IN THE LAST FIVE YEARS OR LESS AS APPLICABLE**

Ist year	IInd year	IIIrd year	IVth year	Vth year	Total

**(II) VALUE OF IMPORTED CG PROCURED FROM ANOTHER EOU/EPZ UNIT OR FROM A LEASING COMPANY IN THE LAST FIVE YEARS OR LESS AS APPLICABLE**

Ist year	IInd year	IIIrd year	IVth year	Vth year	Vith year

3.	AMORTISED VALUE OF CAPITAL GOODS (Please see Note below for calculation)	Rs.

4.	DETAILS OF IMPORTED RAW MATERIAL	
(i)	Total CIF value of imported raw materials, consumables including POL products and components etc. in the last five years or less applicable	Rs.
(ii)	Value of purchases made under Para 6.9(c), 6.14 of EXIM Policy in the last five years or less applicable	Rs.
iii)	Value of goods indicated at (i) & (ii) above held in stock or under process at the end of the relevant period	Rs.
iv)	Value of raw materials etc. used in goods produced and cleared from the unit $\{[(i) + (ii)] - [(iii)]\}$	Rs.

5. Total value of indigenous raw materials, consumables  
Rs. \_\_\_\_\_  
components etc, used in goods produced and cleared  
from the unit in the last five years or less as applicable

6. OTHER OUTFLOW OF FOREIGN EXCHANGE IN THE LAST FIVE YEARS OR LESS AS APPLICABLE

(i)	Dividends	Rs.
(ii)	Profit	Rs.
(iii)	Technical know how fee	Rs.
(iv)	Royalty	Rs.
(v)	Commission	Rs.
(vi)	Foreign travel	Rs.
(vii)	Any other outflow in foreign exchange (Please indicate details)	Rs.
Total		Rs.

7. NFEP achieved

$$\frac{A - B}{A} \times 100$$

Where A = FOB value of exports

B = Sum total of value of imported inputs used. Proportionate (amortised) value of imported capital goods, technical know-how fee and other expenses made in foreign exchange

Note: The proportionate (amortized) value of imported capital goods and technical know-how fee shall be calculated @ 20% of the CIF value of each year in the last five years or less as applicable.